www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

दिवाली का यह पर्व भारतीय रेल के सफर की तरह, हर यात्रा में नई उम्मीद और प्रकाश बिखेरता रहे।

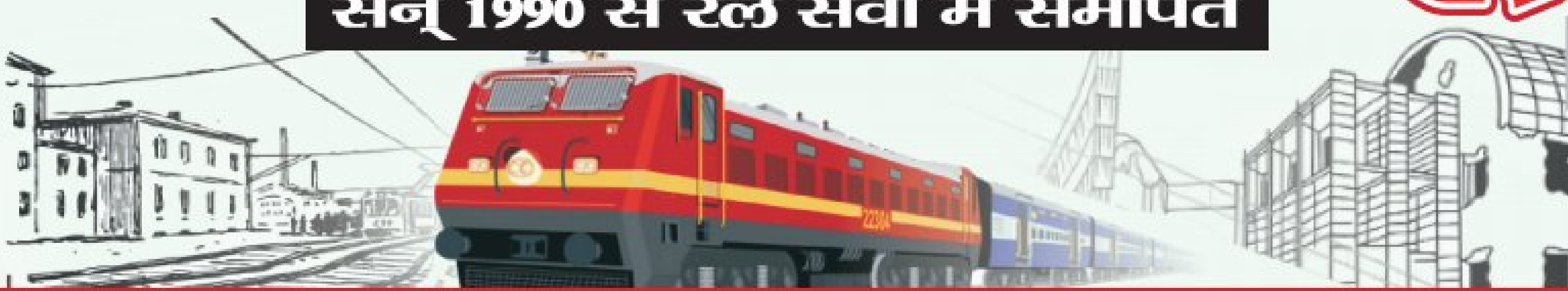

जैसे रेलगाड़ी देश के हर कोने तक पहुँचती हैं, वैसे ही दिवाली हर घर तक रौशनी और खुशी लेकर आए

वर्ष-34 अंक-20 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 16-31 अक्टूबर 2024 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

देश के विभिन्न हिस्सों में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल देश के विभिन्न हिस्सों में अपने नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करना है। नई रेल लाइनें, ट्रेनों की शुरुआत और आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों की सुविधा में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। रेलवे का आधुनिकीकरण, जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी हाई-स्पीड ट्रेनों के साथ साथ लोकल मेमू का भी संचालन शामिल है, जो यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और तेज परिवहन का अनुभव देता है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने नई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता दे रहा है। रेलवे की यह पहल न केवल यात्रा को आरामदायक बनाती है, बल्कि लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर भी सृजित करती है।

आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित भारतीय रेल

1 गंगा पर नया रेल-सह-सड़क सेतु और वाराणसी-पं. दीन दयाल मल्टीट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क सेतु और वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग परियोजना को हरी झंडी दे दी है। इस परियोजना की कुल लागत 2,642 करोड़ रुपये है और इसे अगले चार वर्षों में पूरा किया जाएगा। यह परियोजना वाराणसी और चंदौली जिलों को जोड़ेगी, जिससे लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा, यात्रा में आसानी होगी और भीड़भाड़ कम होगी। इसके साथ ही, इस परियोजना से 10 लाख मानव दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस महत्वपूर्ण कदम से पर्यावरणीय लाभ भी होंगे, जैसे कि कार्बन उत्सर्जन में कमी और तेल के आयात में कमी। परियोजना से लॉजिस्टिक्स की लागत घटेगी, जिससे स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होगा।

2 महाराष्ट्र के किसानों को मिलेगी समृद्धि की सौगातः रेल मंत्री ने शुरू की 'शेतकरी समृद्धि' किसान रेल

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक 'शेतकरी समृद्धि' विशेष किसान रेलगाड़ी का शुभारंभ किया। यह पहल किसानों को प्याज, अंगूर जैसी कृषि उपज को देश के अन्य राज्यों तक पहुंचाने में मदद करेगी। इस सेवा के तहत किसान मात्र ₹4 प्रति किलो की दर से अपनी फसलों का परिवहन कर सकेंगे। महाराष्ट्र के रेलवे विकास बजट में भी 13 गुना वृद्धि की गई है, जो 1,171 करोड़ से बढ़ाकर 15,940 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा, 132 रेलवे स्टेशनों को 'अमृत स्टेशन' के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे महाराष्ट्र के किसानों की आय बढ़ेगी और राज्य का रेलवे नेटवर्क अधिक सशक्त बनेगा, जिससे कृषि उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

3 झारखंड को रेल कनेक्टिविटी में मिली बड़ी सौगातः केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने झारखंड में रेल संपर्क को और सशक्त बनाते हुए साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई ट्रेन सेवा साहिबगंज से हावड़ा के बीच सिर्फ 7 घंटे में 350 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिससे यात्रियों को किफायती और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। वर्तमान में, इस यात्रा के लिए यात्रियों को सड़क मार्ग से 700-800 रुपये खर्च करने पड़ते थे, जबकि अब यह दूरी सिर्फ 125 रुपये के किराए में तय की जा सकेगी। इसके साथ ही, आनंद विहार-अगरतला तेजस राजधानी एक्सप्रेस का साहिबगंज में पहला ठहराव शुरू होना, संथाल परगना क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करता है। पिछले दशक में झारखंड ने 100: विद्युतीकरण के साथ 1200 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण किया है, और 56,000 करोड़ रुपये के निवेश से 57 स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से प्रगति पर है। यह पहल न केवल यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसरों का सृजन करेगी।

4 मध्य प्रदेश में रेल सेवा को नई ऊंचाईः जौरा-अलापुर से कैलारस तक मेमू सेवा का विस्तार

श्री अश्विनी वैष्णव, ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर और कैलारस स्टेशन के मध्य आमान परिवर्तन के उपरांत नवनिर्मित रेलखंड का लोकार्पण एवं आमान परिवर्तित रेल खंड पर तीन नई गाड़ियों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किय। आगे रेल मंत्री ने बताया कि ग्वालियर-श्योपुरकला (188 km) आमान परिवर्तन प्रोजेक्ट, रु.2355/- करोड़ की लागत से तैयार होने जा रहा है, जिसमें अब तक कुल 61 किलोमीटर ट्रैक का कार्य संपन्न हो चुका है, शेष कार्य तीव्र गति से जारी है, जिसको जल्द से जल्द पूर्ण कर क्षेत्र की जनता को यह उच्चीकृत सेवा उपलब्ध होगी। इस नए 13 किलोमीटर के खंड का निर्माण रु 163 करोड़ से हुआ है। इस परियोजना के तहत पूरे श्योपुरकलाँ तहत आमान परिवर्तन का कार्य अगले वर्ष जुलाई 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

5 सियालदह स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार, नशीपुर रेलवे पुल के उद्घाटन के साथ अन्य सुविधाओं का लोकार्पण

सियालदह रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में, श्री अश्विनी वैष्णव ने 12 कोच वाली ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) लोकल ट्रेनों को समायोजित करने के लिए पांच प्लेटफॉर्म (प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 5) का विस्तार राष्ट्र को समर्पित किया। इस सुधार से स्टेशन की क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे प्रतिदिन अतिरिक्त 3 लाख यात्री यात्रा कर सकेंगे। ईएमयू ट्रेनों को 9 कोच से 12 कोच वाले रेक में अपग्रेड किया जा रहा है, जिससे उपनगरीय यात्रियों को अधिक सहूलियत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नवनिर्मित नशीपुर रेलवे पुल पर यात्री ट्रेन सेवाओं का भी उद्घाटन किया। यह पुल भागीरथी नदी के दोनों किनारों के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क स्थापित करता है और स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है। इस अवसर पर, श्री वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सियालदह-राणाघाट ईएमयू, अजीमगंज-कोसिमबाजार एमईएमयू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन और कृष्णानगर-अजीमगंज पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा, उन्होंने राधिकापुर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का उद्घाटन किया, जो पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के राधिकापुर और दिल्ली के बीच पहला सीधा रेल सपर्क स्थापित करती है। इस नई सेवा से पश्चिम बंगाल के मालदा और बिहार के कटिहार सहित आसपास के जिलों के छात्रों, मरीजों, व्यापारियों और निवासियों को काफी लाभ होगा।

Scanned with OKEN Scanner

Sh. Ravneet Singh Bittu, MoSR, Inspects Upcoming Concourse at Chandigarh Railway Station

Source/RSB- Sh. Ravneet Singh Bittu, Minister of State for Railways, recently inspected the upcoming concourse at Chandigarh Railway Station, a key development aimed at transforming the passenger experience. This modern structure will seamlessly connect the Chandigarh and Panchkula sides, ensuring easy access for travelers across both regions.

Built with state-of-the-art amenities, the concourse will not only enhance comfort and convenience but also reinforce Chandigarh's strategic role as a central gateway to Punjab, Haryana, & Himachal Pradesh. The concourse is expected to alleviate crowding, provide spacious waiting areas, and improve facilities, marking a significant step in Indian Railways' efforts to advance infrastructure. This addition aligns with the broader vision of creating smoother, more efficient transit options across Northern India, setting a new standard for railway stations nationwide.

ट्रेन संख्या 14049/4050 पुरानी दिल्ली–गोड्डा नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 9 अक्टूबर 2024 को माननीय सांसद लोकसभा डॉ. निशिकांत दुबे जी एवं माननीय सांसद लोकसभा श्री मनोज तिवारी जी ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन नंबर 14049/4050 पुरानी दिल्ली-गोड्डा नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री सुखविंदर सिंह जी, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली, कर्नल विक्रम सिंह राणा जी, अपर मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली एवं दिल्ली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह साप्ताहिक ट्रेन 15 अक्टूबर 2024 को दोपहर 3 बजे दिल्ली से रवाना होगी और मंगलवार को दोपहर 3:45 बजे गोड्डा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन बुधवार को सुबह 10 बजे गोड्डा से रवाना होगी और गुरुवार को सुबह 9:10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन टूंडला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, गया जंक्शन, कोडरमा जंक्शन, जमुआ, न्यू गिरिडीह, मधुपुर जंक्शन, जसीडीह जंक्शन, देवघर, काकनी और हंसडीहा पर रुकेगी। वहीं, इन इलाकों के स्थानीय निवासियों को भी दिल्ली पहुंचने में आसानी होगी। इस साप्ताहिक ट्रेन के शुरू होने से गोड्डा की स्थानीय जनता को दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा उपलब्ध होगी।

रेल मंत्रालय ने डिजिटलीकरण, स्वच्छता, समावेशिता और शिकायत निवारण पर फोकस करते हुए विशेष अभियान 4.0 को आगे बढ़ाया

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ ने विशेष अभियान 4.0 की प्रगति की समीक्षा की, सक्रिय भागीदारी और सामुदायिक जुड़ाव पर बल दिया

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ सतीश कुमार ने दिनांक 11 अक्टूबर 2024 विशेष अभियान 4.0 की प्रगति की समीक्षा की। रेलवे बोर्ड के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक, आरडीएसओ और प्रशिक्षण संस्थानों के महानिदेशक के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के एमडी/सीएमडी और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान विशेष अभियान 4.0 के मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों के साथ साझा किए गए, जिसमें कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें डिजिटलीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाना, अभियान स्थलों पर सफाई में सुधार करना, जगह खाली करना, स्क्रैप के निपटान के माध्यम से राजस्व अर्जित करना और विशेष रूप से रेलमदद और सीपीजीआरएएमएस जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम सार्वजनिक शिकायतों का त्वरित समाधान करना। चेयरमैन और सीईओ ने इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में महाप्रबंधकों को इस अभियान की गतिविधियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया। रेल मंत्रालय ने दृढ़ संकल्प और ऊर्जा के साथ विशेष अभियान 4.0 की शुरुआत की है, जिसे पूरे भारतीय रेल नेटवर्क पर लागू किया जा रहा है। बैठक में समावेशिता को अभियान के एक

महत्वपूर्ण तत्व के रूप में भी रेखांकित किया गया, जिसमें महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, कार्य निपटान के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित किया गया ताकि कार्यकुशलता और प्रभावशीलता में तेजी लाई जा सके। देश भर के रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपालों के माध्यम से कार्यालय स्थानों की संख्या बढ़ाने, जन शिकायतों के समाधान में तेजी लाने और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में जन जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया, स्थानीय समाचार चौनलों और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से अभियान की उपलब्धियों और गतिविधियों को प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया गया। रेल मंत्रालय विशेष अभियान 4.0 को व्यापक और प्रभावशाली तरीके से क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर इसकी सफलता सुनिश्चित करना है।

कुम्भ मेला की तैयारियों की समीक्षाः प्रयागराज में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण

सूत्र/रे स ब्यू - कुम्भ मेला 2025 की तैयारियों के संदर्भ में प्रयागराज के रामबाग और झूंसी स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इस क्रम में महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने डीआरएम/वाराणसी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव के साथ गंगा नदी पर बन रहे बड़े पुल संख्या 111 का गहन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य कुम्भ मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा को सुनिश्चित करना और रेलवे की तैयारियों की प्रगति की निगरानी करना था। सुश्री माथुर ने पुल निर्माण की गुणवत्ता और समय सीमा का मूल्यांकन किया, साथ ही अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण ने सुनिश्चित किया कि कुम्भ मेला के लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे को समय पर पूरा किया जाए, जिससे लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा अनुभव को सुगम बनाया जा सके।

Scanned with OKEN Scanner

पश्चिम रेलवे उधना–कानपुर सेंट्रल और अहमदाबाद–ग्वालियर के बीच चलाएगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारीसीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उधना-कानपुर सेंट्रल और अहमदाबाद- ग्वालियर के बीच विशेष किराये पर दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एकप्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना–कानपुर सेंट्रल स्पेशल /08 फेरे।

ट्रेन संख्या 09069 उधना-कानपुर सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक सोमवार को उधना से 05:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अक्टूबर,2024 से 11 नवंबर,2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09070 कानपुर सेंट्रल-उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को कानपुर सेंट्रल से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर,2024 से 12 नवंबर,2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, भिंड और इटावा स्टेशनोंपर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 09411/09412 अहमदाबाद ग्वालियर सुपरफास्ट स्पेशल /06 फेरे,

ट्रेन संख्या 09411 अहमदाबाद-ग्वालियर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार को अहमदाबाद से 20:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:00 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 अक्टूबर, 2024 से 02 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09412 ग्वालियर-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को ग्वालियर से 16:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अक्टूबर, 2024 से 03 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, गुना और शिवपुरी स्टेशनोंपर रुकेगी।

मंत्रिमंडल ने रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के लिए उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दी और घोषणा की

> "वर्ष 2023-2024 में रेलवे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रेलवे ने 1588 मिलियन टन रिकॉर्ड माल का लदान किया और लगभग 6.7 बिलियन लोगों ने रेल यात्रा की।"

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11,72,240 रेल कर्मचारियों को 2028.57 करोड़ रु के लिए 78 दिनों के पीएलबी के भुगतान को मंजूरी दे दी है। यह राशि ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप एक्ससी स्टाफ जैसी विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों को भुगतान की जाएगी। पीएलबी का भुगतान रेल कर्मचारियों को रेलवे के प्रदर्शन में सुधार की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करने के प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरे की छुट्टियों से पहले किया जाता है। इस वर्ष भी लगभग 11.72 लाख अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी को देय अधिकतम राशि 78 दिनों के लिए 17,951/- रुपये है। उपर्युक्त राशि ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप 'सी स्टाफ जैसी विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों को भुगतान की जाएगी। इस रिकॉर्ड प्रदर्शन में कई कारकों का योगदान रहा। इनमें सरकार द्वारा रेलवे में रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय के कारण बुनियादी ढांचे में सुधार, परिचालन में दक्षता और बेहतर तकनीक आदि शामिल हैं।

बख्तियारपुर जंक्शन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ, स्थानीय निवासी खुश

सूत्र/रे.स. ब्यू - माननीय सांसद श्री रवि शंकर प्रसाद और श्री कौशलेंद्र कुमार ने गाड़ी सं. 22348 / 22347 पटना-हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का बख्तियारपुर जंक्शन पर ठहराव का शुभारंभ करते हुए हरी झंडी दिखाई। वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव क्षेत्र के यात्रियों के लिए यात्रा को सुविधाजनक बनाएगा। सांसदों ने कहा कि इस सेवा से बख्तियारपुर और आस-पास के क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। श्री रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि यह ट्रेन उच्च गति और आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो यात्रियों को तेज और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। इस नई रेल सेवा के शुभारंभ से बख्तियारपुर जंक्शन का महत्व और भी बढ़ गया है, और यह क्षेत्र को नए विकास और अवसरों की ओर अग्रसर करेगा।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा मुंबई उपनगरीय खंड के अंधेरी स्टेशन का औचक निरीक्षण

महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने चर्चगेट–अंधेरी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024 को पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड का औचक निरीक्षण किया। श्री मिश्र ने ट्रैक की सफाई की समीक्षा करने के लिए चर्चगेट-अंधेरी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और साथ ही अंधेरी स्टेशन का भी निरीक्षण किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री मिश्र ने चर्चगेट से अंधेरी स्टेशन तक लोकल ट्रेन की मोटर कैब में यात्रा की और चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के मद्देनजर ट्रैक की सफाई का जायजा लिया। श्री मिश्र अंधेरी स्टेशन पर उतरे और प्लेटफॉर्मों और फुट ओवर ब्रिज (FOB) का गहन निरीक्षण किया। इस औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न पहलुओं - सुरक्षा, सफाई, यात्री सुविधाओं और समग्र सौंदर्य के लिए प्लेटफॉर्मों का निरीक्षण किया। श्री मिश्र ने गोखले ब्रिज के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। श्री विनीत ने आगे बताया कि इसके बाद महाप्रबंधक श्री मिश्र अंधेरी से एसी लोकल ट्रेन में चढ़े और कोचों की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रेन के अंदर एसी और अन्य सुविधाओं के समुचित संचालन की भी समीक्षा की, जो आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

27 स्टेशनों पर कम्प्यूटरीकृत पार्सल मैनेजमेन्ट सिस्टम लगाया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन अपने उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में, पार्सल को ट्रैक करने के लिए एवं ग्राहक सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देष्य से पूर्वोत्तर रेलवे के 27 स्टेशनों पर कम्प्यूटरीकृत पार्सल मैनेजमेन्ट सिस्टम लगाया गया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ता, लगेज (पार्सल) को आसानी से ट्रैक कर पार्सल से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर सकते है। गोमतीनगर स्टेशन पर भी यह सुविधा शुरू कर दी गई है। पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से उपभोक्ताओं को लगेज बुक करने के बाद ट्रेन में उसे चढ़ाने से लेकर गंतव्य स्थान तक पहुँचने की सारी जानकारी मोबाइल पर एस.एम.एस. के माध्यम से प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त लगेज ले जाने वाली ट्रेन की जानकारी एवं लोकेशन ऑनलाइन उपलब्ध होता है। इस मैनेजमेंट सिस्टम में कम्प्यूटर की मदद से लगेज का वजन लेने के बाद 10 अंको का एक प्रोग्रेसिव रिफरेन्स रिकॉर्ड (पी.आर.आर.) संख्या जेनरेट होता है, जिसमें लगेज का वजन, बुकिंग स्टेशन, गंतव्य स्टेशन, सामग्री का विवरण, बुकिंग की तिथि, समय एवं गाड़ी संख्या इत्यादि अंकित होता है, जिसका मैसेज उपभोक्ता के मोबाइल पर प्राप्त होता है। इस प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 35 स्टेशनों पर लगाने की स्वीकृति प्रदान हो चुकी है। 26 स्टेशनों पर पहले से क्रियाशील है, गोमतीनगर स्टेशन पर इस प्रणाली की प्रारंभ हो जाने के साथ पूर्वोत्तर रेलवे के 27 स्टेशनों पर पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम क्रियाशील है, जिसमें काठगोदाम, रामनगर, रुद्रपुर सिटी, कासगंज, बरेली सिटी, लालकुआँ, फर्रुखाबाद, काशीपुर, कन्नौज, प्रयागराज रामबाग, बनारस, आजमगढ़, वाराणसी सिटी, मऊ, बलिया, गाजीपुर सिटी, सीवान, छपरा, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, लखनऊ जं., ऐशबाग, सीतापुर, लखीमपुर, गोमतीनगर स्टेशन सम्मिलित है। पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से इस रेलवे पर 13 अक्टूबर, 2024 को 224 पार्सलों की बुकिंग तथा 424 पार्सलों का वितरण (डिलीवरी) किया गया। इस व्यवस्था से किराये की ऑटोमेटिक गणना करना आसान हो गया है तथा ग्राहकों को परिवहन के दौरान पार्सल की वर्तमान स्थिति जैसे बुकिंग, लोडिंग, अनलोडिंग एवं डिलीवरी की सटीक जानकारी मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से मिलती रहती है। उपभोक्ता पार्सल बुकिंग से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी http://parcel. indian rail.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

नवनिर्मित वंदेभारत मेट्रो ट्रेन का 145 किमी/घंटा की रफ्तार से ट्रायल।

सूत्र/पमरे - भारतीय रेलवे की अत्याधुनिक सेमी हाई स्पीड वंदे भारत मेट्रो ट्रेन का पश्चिम मध्य रेल पर ट्रायल परीक्षण किया जा रहा है। अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन लखनऊ की टीम मंडल के परिचालन विभाग के सहयोग से कोटा मंडल में 16 कोच की नवनिर्मित वंदेभारत मेट्रो रेक का ट्रायल किया जा रहा है। पूर्व में भी कोटा मंडल में ही वंदेभारत ट्रेन 18 रेक का 180 किमी प्रति घंटा पर सफल ट्रायल किया गया था। इस मेट्रो रेक का 05 अक्टूबर को अप दिशा में कोटा से महिदपुर रोड स्टेशन एवं डाउन दिशा में महिदपुर रोड से शामगढ़ स्टेशन के मध्य दो फेरे लगाकर अलग-अलग गतिं पर अधिकतम 145 किमी प्रति घंटा की गति से परीक्षण विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया गया। इस परीक्षण के दौरान सभी कोचों में समान रूप से यात्रियों के भार के बराबर 24.7 टन वजन रखकर लोडेड स्थिति में परीक्षण किया गया। ट्रायल के दौरान करीब 50 किलोमीटर तक गाड़ी को 145 किमी प्रति घंटा की स्पीड पर दौड़ाया गया। रविवार, 06 अक्टूबर को रेक में इंस्ट्रूमेंटेशन कार्य किया गया। आगामी दिनों में इस रेक का स्पीड और ब्रेकिंग सिस्टम का परीक्षण भी किया जाएगा। इस रेक का ट्रायल आरडीएसओ के निर्देशक परीक्षण बी. एम. सिद्दीकी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस ट्रायल में कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक एवं लोको निरीक्षक आर. एन. मीना ने लखनऊ टीम के साथ समन्वय किया।

Scanned with OKEN Scanner

कमिश्नर रेलवे सेफ्टी ने तीन दिनों में 38 किमी नवनिर्मित रेललाइन का सघन निरीक्षण संपन्न किया।

सूत्र/पमरे - रेलवे नई परियोजनाओं के अंतर्गत अधोसंरचना निर्माण कार्यो को गति प्रदान करने के लिए तसंकल्पित है। पश्चिम मध्य रेल में नई रेललाइन, दोहरीकरण और तिहरीकरण जैसे विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करने के निरंतर प्रयास जारी हैं।महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के सतत निगरानी में अधोसंरचनात्मक रेल परियोजनाएं चल रही हैं। बुधवार, 9 अक्टूबर 2024 को, मध्य वृत्त के रेल संरक्षा आयुक्त श्री मनोज अरोरा द्वारा नई रेललाइन परियोजना ललितपुर-सिंगरौली के तहत जबलपुर मंडल पर स्थित सतना-बरेठिया स्टेशनों के बीच नवनिर्मित रेललाइन का सघन निरीक्षण किया गया। इस सेक्शन के निरीक्षण में पमरे मुख्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम. एस. हाशमी, मुख्य इंजीनियर अधिकारीगण, जबलपुर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ इंजीनियर भी मौजूद रहे। सोमवार, 07 अक्टूबर 2024 को कटनी सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत जोबा-मड़वासग्राम रेलखंड का 7.5 किलोमीटर का निरीक्षण किया गया था। मंगलवार, 8 अक्टूबर 2024 को कटनी-बीना सेक्शन पर असलाना-दमोह रेलखंड का 12.8 किलोमीटर का निरीक्षण किया गया। बुधवार, 9 अक्टूबर 2024 के निरीक्षित सेक्शन की कुल दूरी 17.839 किलोमीटर है, जिसमें स्टेशन बिल्डिंग, सिग्नलिंग, यार्ड, ब्रिज और लेवल क्रॉसिंग शामिल हैं।

त्योहारों की भीड़-भाड़ से निपटने के लिए तैयार, यात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना लागू की

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे ने त्योहारों की भीड़-भाड़ से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है, ताकि यात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। इस त्योहारी सीजन के दौरान, उत्तर रेलवे 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2024 तक 2,950 से अधिक विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 172: अधिक है। इनमें से अधिकांश ट्रेनों का संचालन उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे पूर्वी राज्यों के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही, 52 अतिरिक्त कोचों को भी जोड़ा जाएगा, जो 2740 चक्कर लगाएंगे, जिससे 2.06 लाख से अधिक यात्रियों को लाभ होगा। सख्त सुरक्षा उपायों के तहत आरपीएफ कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है, ताकि ट्रेनों और स्टेशनों पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। विशेष सुविधाओं में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए अलग प्रबंध, प्लेटफार्मों पर भोजन की उपलब्धता, और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था शामिल हैं। यात्रियों को सूचनाएं प्रदान करने के लिए नियमित घोषणाएं और डिजिटल स्क्रीन का उपयोग किया जाएगा। उत्तर रेलवे के अधिकारियों को नियंत्रण केंद्र से व्यवस्थाओं की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और परेशानी-मुक्त यात्रा का अनुभव मिल सके। इस त्योहारी सीजन में उत्तर रेलवे अपनी सेवाओं में सुधार के प्रति प्रतिबद्ध है, जिससे सभी यात्रियों को एक सुखद यात्रा का अनुभव हो सके।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कार्य प्रगति की समीक्षा की

- त्योहारों की भीड़ के मद्देनजर यात्रा-इंतजामों की व्यवस्था की समीक्षा
- डिजिटलीकरण बढ़ाने पर बल
- कामकाज में पारदर्शिता पर बल

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अशोक कुमार वर्मा, ने बड़ौदा हाउस में विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य-प्रगति की समीक्षा की। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। उन्होंने यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन, द्वितीय प्रवेश-द्वार की व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के उचित प्रबंधन पर जोर दिया, ताकि अतिरिक्त भीड़ को सुगमता से नियंत्रि किया जा सके। महाप्रबंधक ने प्लेटफार्मो की सफाई, चिकित्सा सुविधाओं, यात्रियों की सुरक्षा और पेयजल की उचित आपूर्ति की समीक्षा भी की। डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए, श्री वर्मा ने कहा कि इससे रेलवे यात्रियों के अनुभव में सुधार कर सकती है और परिचालन की समग्र दक्षता बढ़ा सकती है। डिजिटलीकरण के माध्यम से रियल टाइम डेटा एकत्र करने और विश्लेषण की क्षमता को बढ़ाना, निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने में सहायक है। उन्होंने रेलवे संपत्तियों का उचित रखरखाव और रेलगाड़ियों का सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इन पहलुओं को प्राथमिकता देकर, उत्तर रेलवे एक सुरक्षित और बेहतर प्रणाली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करता है।

झंझारपुर स्टेशन पर महाप्रबंधक का निरीक्षणः सांसद से की शिष्टाचार मुलाकात

सूत्र/रे.स. ब्यू- महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने झंझारपुर स्टेशन का निरीक्षण करते हुए झंझारपुर के माननीय सांसद श्री रामप्रीत मंडल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर, उन्होंने यात्री सुविधा और रेल विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति के बारे में माननीय सांसद को जानकारी दी और आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया महाप्रबंधक ने सांसद को बताया कि स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं, जिनमें बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छता सुविधाएं और टिकट काउंटर का उन्नयन शामिल है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इन सुधारों का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है। माननीय सांसद ने महाप्रबंधक के प्रयासों की सराहना की और आगे भी सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रेल विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और यात्री अनुभव में सुधार हो सके।

आरेडिका ने डकौली गाँव में किया ग्राम चौपाल का आयोजन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली के कार्मिक विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के तहत (स्वच्छता ही सेवा मिशन 4.0) आरेडिका के आस-पास के गाँवों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के नेतृत्व में ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 10.10.2024 को डकौली गाँव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों, एवं किसानों ने भाग लिया। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए गाँववासियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी आरेडिका के चिकित्सालय द्वारा किया गया।

प्रथम 6 माह में अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक प्रथम 6 माह में कुल 873 कोचों का उत्पादन किया गया, जो आरेडिका के अभी तक के प्रथम 6 माह का सर्वाधिक उत्पादन है। इन 873 कोचों में दीनदयालु, स्लीपर और वातानुकूलित कोच शामिल हैं। इस वित्तीय वर्ष में दीनदयालु के 122 कोच, 3एसी के 211 कोच, 3एसी इकोन मी के 210 कोच, 2एसी के 60 कोच, स्लीपर के 85 कोच, तथा अन्य कोचों का निर्माण किया गया है। 2024-25 के प्रथम 6 माह में 3एसी के 211 कोचों का निर्माण हुआ, जो पिछले वर्ष 2023-24 के प्रथम 6 माह में बने 19 कोचों से लगभग 13 गुना अधिक है। पहली बार आरेडिका ने प्रथम 6 माह में अभूतपूर्व वृद्धि करते हुए एक नए चरण में प्रवेश किया है। इससे पूर्व, वित्तीय वर्ष 2019-20 में सर्वाधिक 841 कोचों का निर्माण किया गया था, जिसे इस वित्तीय वर्ष में आरेडिका ने पार कर लिया है। आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया और सभी विभागाध्यक्षों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सभी विभागों के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाया है और इसी तरह आगे भी लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

राँची-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभः केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

सूत्र/रे.स.ब्यू - माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राँची- गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस नई रेल सेवा का उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन, व्यवसाय और शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि राँची-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन लोगों के लिए यात्रा को सुविधाजनक बनाएगी और इससे दो शहरों के बीच संपर्क बेहतर होगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह ट्रेन विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। राँची और गोरखपुर के बीच इस एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे समय पर अपने गंतव्य तक पहुँच सकेंगे। इसके साथ ही, यह ट्रेन स्थानीय व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करेगी और छात्रों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाएगी। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने रेलवे मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को इस सेवा के शुभारंभ के लिए धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि यह ट्रेन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

Scanned with OKEN Scanner

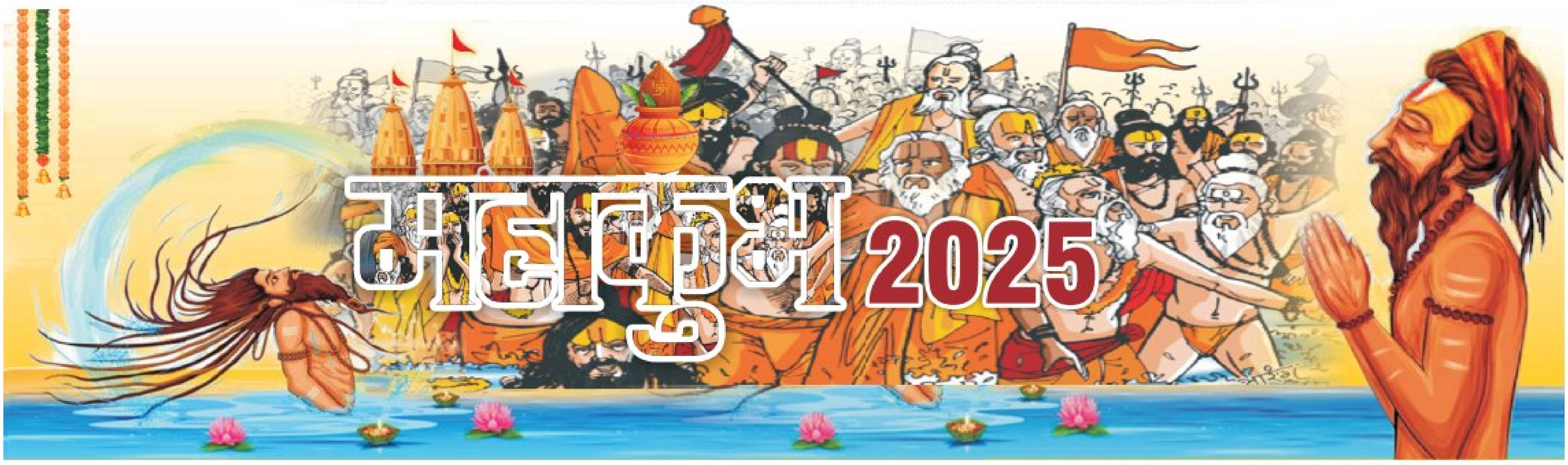

कुंभ मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री बनाने के प्रयास

सूत्र/रे.स.ब्यू - महाकुंभ 2025 की तैयारी के अंतर्गत प्रयागराज जनपद और कुंभ मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री बनाने के उद्देश्य से मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गांधी सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार माँदड़ सहित नगर निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में नगर निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोकने हेतु चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ''हर दुकान दस्तक अभियान'' के अंतर्गत 2000 से अधिक दुकानों का निरीक्षण कर 204 किलो प्लास्टिक सीज किया गया है। साथ ही, ''स्वच्छता ही सेवा है'' अभियान के तहत लोगों को जागरूक करते हुए स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

महाकुंभ के रंग में रंगेंगी ट्रेनें: श्रद्धालुओं के लिए खास तैयारी

सूत्र/रे.स. ब्यू - महाकुंभ 2025 के भव्य आयोजन के लिए भारतीय रेलवे ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस धार्मिक महोत्सव में लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 18 ट्रेनों को महाकुंभ के रंगों में रंगा जाएगा, जो इस आयोजन की पवित्रता और उत्सव की भावना को दर्शाएगा। रेलवे द्वारा महाकुंभ क्षेत्र को विशेष सुरक्षा जोन में तब्दील किया जाएगा, जहां हर कोने की कड़ी निगरानी की जाएगी। चप्पे-चप्पे पर लगे सीसीटीवी कैमरे से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर अपनी धार्मिक यात्र का आनंद उठा सकें। महाकुंभ **2025** में रेलवे की यह पहल न केवल श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी, बल्कि सुरक्षा के मानकों को भी और अधिक मजबूत करेगी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिवाली, जिसे हम सभी एक बड़े उत्सव के रूप में मनाते हैं, केवल रोशनी, पटाखों आदि का पर्व नहीं है, बल्कि अपने समुदाय के कारीगरों और छोटे व्यवसायियों का समर्थन करने का एक अवसर भी है। देश में छोटे कारीगर और व्यवसायी हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी मेहनत और कला से बने उत्पाद न केवल गुणवत्ता में उत्कृष्ट होते हैं, बल्कि इनमें हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी समावेश होता है। जब हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो हम न केवल अपने लिए अच्छे उत्पादों का चुनाव कर रहे होते हैं, बल्कि उन कारीगरों की मेहनत को भी मान्यता दे रहे होते हैं जो अपने हाथों से इन वस्तुओं को बनाते हैं। इस दिवाली, स्थानीय कारीगरों और उद्योगों का समर्थन करें ताकि वह भी दिवाली का त्यौहार मन सकें। चाहे वह दीपावली की सजावट के लिए स्वदेशी दीयों का चयन करना हो, या फिर अपने प्रियजनों के लिए उपहार खरीदना हो, ये सभी प्रयास हमारे छोटे कारीगरों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस कदम से न केवल उनके जीवन में सुधार होगा, बल्कि हम एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। जब हम स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करते हैं, तो हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य का निर्माण करते हैं। इस दिवाली, चलिए हम एकजुट होकर ''मेक इन इंडिया'' के सपने को साकार करें। अपने समुदाय के कारीगरों का समर्थन करें, और इस अवसर को एक सार्थक उत्सव में बदलें। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने साथ-साथ अपने देश की समृद्धि के लिए भी सोचें। इस दिवाली, अपने परिवार के साथ मिलकर एक नई शुरुआत करें-**''स्वदेशी के साथ, अपने लोगों के साथ!''**

महाकुंभ–2025 की तैयारियों के तहत यूपी के सभी मंडलों में 'कुंभ समिट' का आयोजन

सूत्र/रे.स. ब्यू - महाकुंभ-**2025** से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी 18 मंडलों में 'कुंभ समिट' आयोजित करने की घोषणा की है। यह समिट महाकुंभ के आयोजन को भव्य बनाने के साथ-साथ सनातन धर्म की सांस्कृतिक धरोहर को देश-विदेश में फैलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह ने बताया कि सभी मंडलों में यह समिट आयोजित की जाएगी और इसके साथ ही विदेशों में रोड शो भी करवाए जाएंगे, ताकि महाकुंभ की व्यापकता और भारतीय संस्कृति की महत्ता को विश्व पटल पर प्रस्तुत किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सनातन धर्म की पताका फहराना और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करना है। महाकुंभ-2025 को लेकर तैयारियों की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। विदेशों में भी होंगे रोड शो पर्यटन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 10 दिसंबर के आस-पास प्रयागराज आ सकते हैं। महाकुंभ की पंरपराओं के प्रति जागरूक करने और लोगों को इस वैश्विक आयोजन से जोड़ने के लिए विदेशों में भी रोड शो आयोजित किए जाएंगे। नेपाल, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद, फिजी, सूरीनाम, इंडोनेशिया, श्रीलंका कंबोडिया, गुयाना, थाईलैंड और सिंगापुर समेत कई देशों में रोड शो होंगे।

महाकुंभ प्रयागराज 2025: स्वच्छता, सुरक्षा और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा आयोजन

सूत्र/रे स ब्यू - महाकुंभ 2025, जिसमें लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, को स्वच्छ, सुरक्षित और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित बनाने की दिशा में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। प्रशासन ने इस ऐतिहासिक आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं, जिनमें मेला क्षेत्र में एक अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का पुनर्निर्माण प्रमुख है। यह सेंटर पूरे आयोजन की निगरानी, सुरक्षा और व्यवस्थापन के लिए केंद्रीय भूमिका निभाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र में AI आधारित पार्किंग निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। महाकुंभ में 120 पार्किंग स्थलों पर 480 कैमरों की मदद से वाहनों की गणना और निगरानी की जाएगी। इस प्रणाली के माध्यम से पार्किंग स्थलों पर भीड़ को नियंत्रित करने और वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए AI सक्षम वीडियो एनालिसिस का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार की बाधा को तुरंत हल किया जा सकेगा। प्रशासन द्वारा किए गए इन उपायों का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ 2025 को एक आदर्श आयोजन के रूप में प्रस्तुत करना है, जहां स्वच्छता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ पार्किंग निगरानी के लिए AI का उपयोग, यह सुनिश्चित करेगा कि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी यात्रा और धार्मिक अनुष्ठानों का आनंद ले सकें। महाकुंभ 2025 में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन के दौरान रेलवे, यातायात, और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रशासन हर पहलू पर बारीकी से काम कर रहा है, जिससे यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा, बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक प्रबंधन का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण बनेगा।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

आपके सुझाव, देश की प्रगतिः मिलकर दें भारतीय रेल को नई गति

रेल मंत्री जी कहां तो हम विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन और रेल कोचस बनाने की बात करते हैं लेकिन गाड़ियों में खासकर एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोचेस में मुसाफिरों को बैठने की जगह भी नहीं मिल पाती..... मैं खासकर ट्रेन नंबर 14331 की बात कर रहा हूं जो दिल्ली से कालका की ओर जाती है आठ coaches लगे हैं सिर्फ इसमें जनरल बोगी के भीड़ का आलम यह है कि पहले और आखिरी नंबर पर लगे विकलांग कोच में भी मुसाफिरों को मजबूरी के मारे घूसना पड़ता है, को लेकर यात्रियों की आपस में रोजाना लड़ाई होती है समस्या का समाधान जल्द से जल्द करवाइए

दिवेश कश्यप
(ईमेल द्वारा प्राप्त)

अगर आप भारतीय रेल के सुधार के लिए कोई सुझाव देना चाहते हैं तो कृपया हमे निचे दिए गए किसी भी माध्यम से सुझाव भेजें

Tweet - RSBPrayagraj Email : pro@railsamacharbureauald.com, WhatsApp : 9773946044

Scanned with OKEN Scanner

आयुष राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधवः अगले पांच वर्षों में 10 नए आयुर्वेद संस्थान स्थापित होंगे

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआई-आईए) के 8वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर आने वाले पांच वर्षों में देशभर में 10 नए आयुर्वेद संस्थान खोले जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य आयुर्वेदिक चिकित्सा को और अधिक सुलभ बनाना और इसकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना है। श्री जाधव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रामाणिक और किफायती आयुर्वेदिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ''आयुष औषधि केंद्र'' शुरू किए गए हैं, ताकि आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने इस दिन को ऐतिहासिक बताया, क्योंकि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एआईआईए का दौरा किया, जो आयुष मंत्रालय के लिए गर्व का विषय है।

आयुष पद्धतियों में बौद्धिक संपदा अधिकार और व्यावसायीकरण पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यू- ''आयुष प्रणालियों के पारंपरिक ज्ञान में बौद्धिक संपदा, नियामक ढांचे और व्यावसायीकरण पहलुओं'' पर केंद्रित एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन दिनांक 8 अक्टूबर को पेटेन्ट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के स्कूल ऑफ बायो- टेक्नोलॉजी और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में आयुष प्रणालियों में पारंपरिक ज्ञान की रक्षा और उसे आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करने के लिए शिक्षाविदों, सरकार और उद्योग के प्रमुख विशेषज्ञ एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, हरियाणा के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर में रस शास्त्र और भैषज्या कल्पना के प्रमुख प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के प्रो. रूपेश चतुर्वेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए। वैद्य कोटेचा ने अपने संबोधन में आयुर्वेद में अनुसंधान और शिक्षण की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया और बताया कि किस प्रकार ये स्तंभ पारंपरिक चिकित्सा में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने आयुष पद्धतियों को मजबूत करने के लिए मंत्रालय की पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "विकसित डिजिटल प्रणाली और वैज्ञानिक साक्ष्यों का सहेजकर रखा गया ज्ञान भारतीय चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक मानकों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ भारत के सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा की। इस सम्मेलन में हुई चर्चा आयुष क्षेत्र में अनुसंधान, व्यावसायीकरण और बौद्धिक संपदा संरक्षण में प्रगति को और बढ़ावा देगी। आयुष मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आयुष प्रणालियां वैश्विक स्वास्थ्य सेवा समाधानों के एक अभिन्न अंग के रूप में विकसित होती रहें।

आयुष मंत्रालय ने देश भर में 670 कार्यक्रम आयोजित कर ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान मनाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- गांधी जयंती के शुभ अवसर पर, आयुष मंत्रालय ने ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान की समाप्ति का उत्सव मानते हुए देश भर में 670 कार्यकर्मो का आयोजन किया और स्वच्छ भारत मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। देश भर में 351 स्वच्छता में जन भागीदारी गतिविधियां, 201 सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और 118 व्यापक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल से प्रेरित इस अभियान में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने अभियान को सफल बनाने में आयुष मंत्रालय की टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''मैं 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान को सफल बनाने में आयुष मंत्रालय की पूरी टीम को उनके समर्पण के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। हमने साथ मिलकर स्वच्छता और स्वच्छ भारत के लिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा, ''आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय की उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की जानी चाहिए। इन मंत्रालयों ने हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अभियान की सफलता के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जिससे भारत के नागरिकों के दैनिक स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सके। इस समारोह के अंतर्गत आयुष मंत्रालय ने स्वच्छता ही सेवा यात्रा का आयोजन किया। इसमे जनता और मंत्रालय के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें लोगों को स्वच्छता और इसके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अभियान के माध्यम से आयुष मंत्रालय ने साफ सफाई, स्वच्छता और इसमे जन भागीदारी को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया जो स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण में योगदान देता है। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री भावना सक्सेना और आयुष निदेशक श्री सुबोध कुमार ने अन्य वरिषठ अधिकारियों के साथ अपने कार्यालयों में स्वच्छता प्रयासों का निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों ने अपने कमरों की सफाई करके स्वच्छता कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यालय में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के तीन प्रमुख स्तंभों के तहत, आयुष मंत्रालय ने देश भर में गतिविधियों का आयोजन किया:

- **स्वच्छता में जन भागीदारी-मंत्रालय ने स्वच्छता अभियान में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 351 कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।**
- **संपूर्ण स्वच्छता-विभिन्न क्षेत्रों में पूर्ण स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कुल 118 कार्यक्रम आयोजित किए गए।**
- **सफाई मित्र सुरक्षा-सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए 201 सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों का आयोजन किया गया।**

त्यौहारों में खानपान की लापरवाहीः सेहत के लिए खतरे की घंटी

सूत्र/रे.स.ब्यू- त्यौहारों का मौसम खुशियों, उत्साह और स्वादिष्ट व्यंजनों का समय होता है। हर घर में मिठाइयों, पकवानों और तले-भुने खाद्य पदार्थों की भरमार रहती है। दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाने-पीने का आनंद इस समय की खासियत होती है, लेकिन क्या हम इस दौरान अपनी सेहत का ध्यान रख रहे हैं? त्यौहारों के मजे में खानपान की लापरवाही कहीं हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी तो नहीं बन रही? त्यौहारों पर अधिक तैलीय, मसालेदार और मीठा खाने का प्रचलन रहता है। चाहे घर के बने व्यंजन हों या बाजार की मिठाइयां, हम स्वाद के चक्कर में अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। अत्यधिक शक्कर और तेल से भरपूर खाने से पाचन संबंधी समस्याएं, जैसे अपच, एसिडिटी और पेट दर्द होने की संभावना रहती है। मधुमेह, हृदय रोगियों और उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए यह और भी खतरनाक हो सकता है। बाजार की मिठाइयों में मिलावट का खतरा बढ़ जाता है, जिससे फूड प्वाइजनिंग और अन्य बीमारियां होने का डर रहता है। इसके अलावा, त्यौहारों के दौरान साफ-सफाई का अभाव और अनियमित खानपान से भी संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में, त्यौहारों का पूरा आनंद लेने के लिए जरूरी है कि हम अपने खानपान में संतुलन बनाए रखें। ताजे, स्वच्छ और पोषण से भरपूर आहार का सेवन करें, ताकि आप न सिर्फ उत्सव का भरपूर आनंद ले सकें, बल्कि अपनी सेहत को भी सुरक्षित रख सकें। याद रखें, स्वस्थ रहना ही सबसे बड़ा उत्सव है!

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना द्वारा '100 दिनों की प्रमुख उपलब्धियाँ' पर प्रेस वार्ता

सूत्र/ रे.स.ब्यू - क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना ने आयुष मंत्रालय के पहले 100 दिनों की प्रमुख उपलब्धियों पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पारंपरिक भारतीय चिकित्सा को बढ़ावा देने में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों पर चर्चा की गई। वार्ता के दौरान, प्रतिनिधियों ने आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति और श्यता बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलों को उजागर किया। उन्होंने बताया कि कैसे इन प्रयासों ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा को बढ़ावा देने और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं में एकीत करने में मदद की है।

यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान के केंद्रीय परिषद की कार्यकारी समिति की पहली बैठक

सूत्र/रे.स.ब्यू - यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान के केंद्रीय परिषद की कार्यकारी समिति की पहली बैठक 15 अक्टूबर 2024 को आयुष भवन, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव श्री वैद्य कोटेचा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा और आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। समिति ने स्वास्थ्य सेवाओं में यूनानी चिकित्सा के योगदान को बढ़ाने और इस क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया। इस बैठक का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के तहत यूनानी चिकित्सा के विकास को सशक्त बनाना और विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाना है।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड
इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502
पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,
कीडगंज प्रयागराज-211003
से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठ्को से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षो की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड,
नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003
से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-55

Scanned with OKEN Scanner

CONCOR CONDUCTS Strategic Meeting with Maersk Leadership

Source/RSB- Container Corporation of India (CONCOR) recently engaged in a strategic meeting with senior officials from Maersk, including the newly appointed Area Managing Director, Mr. Christopher Simon Cook. This pivotal meeting focused on enhancing collaboration between the two industry leaders. During the discussions, CMD Shri Sanjay Swarup spotlighted key initiatives driving CONCOR's growth, such as the introduction of LNG trailers, the application of Artificial Intelligence (AI) in terminal management, and CONCOR's expanding presence in port-side rail-linked Container Freight Stations (CFSs). The Maersk delegation expressed admiration for CONCOR's impressive growth trajectory and emphasized their mutual commitment to explore new opportunities together.

NHSRCL invites bids for Track construction work in Maharashtra

Source/NHSRCL- NHSRCL has invited bids from the eligible Indian & Japanese companies for the 'Design, Supply and Construction of Track and Track related Works including Testing and Commissioning for Double Line High Speed Railway' in the state of Maharashtra. Totalling about 157 route km alignment i.e. 314 km of track length, the complete alignment between Mumbai Bullet Train station and Zaroli village at Maharashtra-Gujarat border. It also includes track works for 4 stations and rolling stock depot at Thane. The ballast-less slab Track system as used in Japanese HSR (Shinkansen) will be used on India's first HSR project (MAHSR). JICC as General Consultant has provided the detailed design and drawing of major HSR track components like RC Track Bed, Track slab arrangement etc. for the contract. Under a memorandum of Understanding (MoU) signed between NHSRCL and Japan Railway Technical Service (JARTS), JARTS will provide Training & Certification and Advisory Services for construction of Track works for Mumbai Ahmedabad High Speed Rail corridor (including for T-1 package). Multiple training courses by Japanese instructors to Indian engineers have already been completed at Track Training Facility (TTF) Surat for T-2 and T-3 Packages. This will be the last track construction contract for the Mumbai Ahmedabad Bullet Train project. Work on track construction has already commenced in Gujarat under package T-2 & T-3. Both the track works contracts in Gujarat are awarded to Indian companies. Technical bids are scheduled to be opened on 03rd February 2025

DMRC Celebrates Daan Utsav 2024: Spreading Joy through Giving

Source/RSB-The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) celebrated Daan Utsav 2024 on October 3rd and 4th, organizing a series of engaging activities that highlighted the spirit of philanthropy. Formerly known as the Joy of Giving Week, Daan Utsav promotes the essence of giving back to society through donations and acts of service. As part of the celebrations, DMRC invited children from Bal Raksha Bharat NGO and Salaam Balak Trust for a memorable Metro ride, which included an entertaining puppet show and an educational tour of the Metro Museum at Patel Chowk. The event was filled with fun activities, such as clown performances, games, and dance shows featuring the children. Dr. Shalini Singh, President of the DMRC Ladies Welfare Organisation, actively participated in the festivities, interacting with the kids and enhancing the joyful atmosphere. Over 100 children took part in the celebrations. Additionally, kiosks by various NGOs were set up in residential colonies and metro stations, encouraging citizens to contribute through donations and acts of kindness. This initiative reflects DMRC's dedication to community

service, inspiring everyone to join in spreading joy and giving back to society during Daan Utsav.

Ircon Achieves Milestone with Installation of Rigid Overhead Catenary System

Source/RSB- Ircon has achieved a remarkable milestone by designing, installing, & commissioning the Rigid Overhead Catenary System (ROCS), a first of its kind in India. This advanced system is designed for speeds up to 180 km/h, with an operational speed of 160 km/h. It has been successfully implemented across 6 kilometers of twin tunnels, totaling 12 track kilometers, in the 13-kilometer Sahibabad to New Ashok Nagar section of the Delhi-Meerut Regional Rapid Transit System (RRTS). The commissioning of the overhead electrification system for this segment marks a significant leap in India's rail infrastructure modernization. Notably, this installation supports the trials for the #NamoBharat train, which were successfully conducted on the newly electrified stretch. Ircon's accomplishment with the ROCS system sets a new benchmark in high-speed rail projects in the country, improving both operational efficiency and safety for future high-speed transit systems.

Shri Manoj Dubey Takes Charge as CMD & CEO of Indian Railway Finance Corporation

Source/RSB- Shri Manoj Kumar Dubey has assumed the role of Chairman and Managing Director (CMD) & Chief Executive Officer (CEO) of the Indian Railway Finance Corporation (IRFC). A distinguished alumnus of Hindu College, University of Delhi, Shri Dubey holds an MBA from the Indian School of Mines, Dhanbad, where he received a Silver Medal for academic excellence. Shri Dubey began his career at UTI, focusing on integrating rural populations into mutual fund schemes, and later joined the Indian Railway Accounts Service (IRAS) in 1993 after clearing the Civil Services Examination on his first attempt. During his tenure with Indian Railways, he spearheaded several key initiatives, including salary payments through banks, e-tendering, and digitalizing bill processing and pension settlements, earning him a National Award for Outstanding Service in 2011.He has made significant contributions to Public-Private Partnership (PPP) projects, including the establishment of locomotive factories in collaboration with General Electric (USA) and ALSTOM (France), as well as the High-Speed Rail and Dedicated Freight Corridor Projects. Shri Dubey also served as Director (Finance) & CFO at CONCOR, where he led corporate reorganization and capital expenditure initiatives, boosting shareholder confidence. In addition to his financial expertise, Mr. Manoj is an advocate for sports, Indian classical dance, and music, and has served as a manager and government observer in various international tournaments. As CMD & CEO of IRFC, he is expected to leverage his vast experience to strengthen the financial foundation of Indian Railways & drive further development.

RVNL Conducted 21st Annual General Meeting in New Delhi on 30th September 2024

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) conducted its 21st Annual General Meeting (AGM) on 30th September 2024 at its Corporate Office in New Delhi. The meeting was chaired by CMD Shri Pradeep Gaur and was attended by Director (Finance), Director (Operations), Director (Projects), Director (Personnel), and the Company Secretary. Independent Directors, Dr. M.V. Natesan and Shri Anupam Mallik, were also present. The AGM reviewed RVNL's performance over the past year and discussed future growth strategies, emphasizing the company's continued commitment to advancing India's rail infrastructure.

IRCTC Triumphs at Seven Star Luxury & Lifestyle Awards 2024

Source/RSB - On October 12, 2024, the Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) received significant accolades at the Seven Star Luxury & Lifestyle Awards 2024. The organization was honored with three prestigious awards: Best Luxury Rail Operator for IRCTC, Best Luxury Train for the Maharajas' Express, and Best Heritage Experience for the Buddhist Circuit Tourist Train. Held at the picturesque Amalfi Coast, the ceremony recognized top luxury service providers worldwide. This achievement highlights IRCTC's dedication to providing exceptional travel experiences that blend luxury with India's rich heritage. The Maharajas' Express offers opulent journeys through royal landscapes, while the Buddhist Circuit Tourist Train provides an enriching spiritual experience. These awards enhance IRCTC's reputation in the luxury travel sector and showcase India's vibrant culture on an international platform.

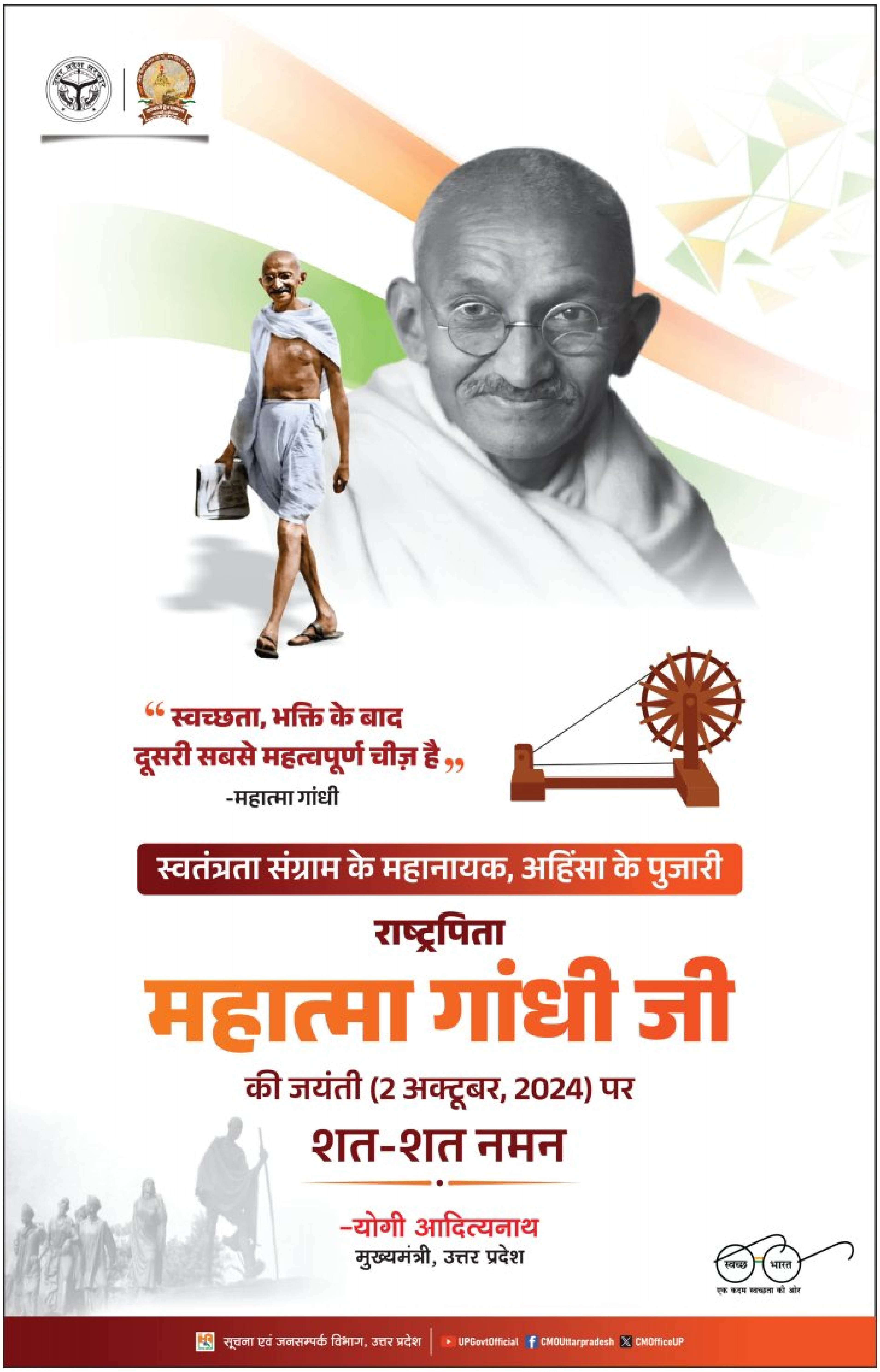

Strengthening Rail Infrastructure: RITES Partners with Etihad Rail for Future-Ready Solutions

Source/RSB- RITES Ltd. has forged a strategic partnership with Etihad Rail to bolster future-ready rail infrastructure. This collaboration will involve leasing and supplying rolling stock, alongside offering advanced technological solutions. The partnership aims to enhance operational efficiency, streamline trade routes, and provide smarter, more efficient rail services. With this collaboration, both entities are poised to significantly boost regional connectivity and trade. By integrating cutting-edge technologies and innovative solutions, RITES and Etihad Rail are set to transform rail services, making them more efficient and sustainable. This step further strengthens global trade routes and supports the development of modern rail infrastructure. Under the visionary leadership of Sh. Rahul Mithal, Chairman and Managing Director of RITES Ltd., the organization has achieved

remarkable work excellence. With a focus on innovation, strategic partnerships, and operational efficiency, RITES has successfully expanded its presence in both national and international markets.

Scanned with OKEN Scanner